Off: 040-27616330
Fax: 040-66661860

HINDI MAHAVIDYALAYA
(NAAC REACCREDITED AND AUTONOMOUS)
(Affiliated to Osmania University)
Nallakunta, Hyderabad – 500 044

Website : www.hindimahavidyalaya.ac.in   E-Mail: info@hindimahavidyalaya.org

Sanskrit Department

2017-2022

National Seminar

In Hindi Mahavidyalaya a National Seminar was organized by Sanskrit Department HOD Dr. Mukthavani on 19th July, 2017. Principal Smt. Jyothi Hasthak madam addressed the staff and students and introduced the Speaker prof. Neelakantam and prof. Ramulu. prof. Neelakantam Garu spoke about "The Importance of Sanskrit language from Vedic period to modern age". President of Hindi Mahavidyala Surendra luniya and Secretary Laxminivas Sharma spoke about the role of Sanskrit language & importance of our culture and heritage of India.

२०

राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय, संस्कृत विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्य ज्योति हस्तक ने महाविद्यालय का परिचय देते हुए स्वागत भाषण दिया।

अध्यक्ष सुरेंद्र लूणिया ने सभी विद्यार्थियों को संस्कृत अध्ययन के साथ-साथ राष्ट्र भक्त बनने की प्रेरणा दी। मंत्री लक्ष्मीनिवास शर्मा ने प्राध्यापकों से संस्कृत, संस्कृति एवं राष्ट्रप्रेम को विकसित करने का अनुरोध करते हुए, संस्कृत साहित्य के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्रो. नीलकण्ठम् ने वेदों से लेकर आधुनिक संस्कृत साहित्य में उल्लिखित राष्ट्र भक्ति पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रभक्तों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि शिवाजी चरित, प्रताप विजय, विवेकानंद, दयानंद, भगतसिंह आदि सभी का चरित्र संस्कृत में उपलब्ध है। अध्यक्षीय भाषण देते हुए प्रो. रामुलू ने कहा कि संस्कृत भाषा और राष्ट्रभक्ति का अनिवाभाव संबंध है। हमें अपनी भाषा और राष्ट्र पर गर्व होना चाहिए। वेद का उद्धरण देते हुए आपने कहा कि यह भारत देश हमारी माता और हम सब इसके पुत्र हैं।

आंध्र विश्वविद्यालय के प्रो. येडुकोण्डलु ने लोकमान्य बालगंगाधर तिलक के जीवन चरित्र को आधार बनाकर राष्ट्रभक्ति का यथार्थ चित्रण करते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज की शौर्यगाथा पर बड़े रोचक ढंग से प्रकाश डाला। जिनका अध्ययन कर विद्यार्थी राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो सकते हैं। संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. मुक्ता वाणी ने संगोष्ठी का संयोजन तथा विषय प्रवर्तन प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र में सभी के प्रति आभार ज्ञापन हिंदी विभागध्यक्ष डॉ. रजनी धारी ने किया तथा हिंदी महाविद्यालय समिति के द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया।

द्वितीय सत्र में डॉ. रमा देवी, डॉ. विद्यानंद आर्य, डॉ. अनुपमा, डॉ. अनुसूया प्रसन्न लक्ष्मी, डॉ.ए. वरलक्ष्मी, डॉ. राजनारायण अवस्थी, डॉ. जोशी संतोष, श्रीमती मैत्रेयी शास्त्री, श्रीमती पद्मांजलि, श्रीमती गीता, श्रीमती नंदिनी, रामनारायण, डॉ. रजनी धारी ने प्रपत्र प्रस्तुत किये।

Guest lecture

Sanskrit Department has organized a guest lecture on 11th November, 2017 in Hindi Mahavidyalaya. Dr. Anupama madam gave lecture on Kadambari, Kenopanishad and shared some techniques to answer the questions in examination. Principal P. Giridhar told about how Nasa took apart in researching the Sanskrit Grandhas .

हिन्दी महाविद्यालय में हुआ अतिथि व्याख्यान

दराबाद, 10 नवंबर-(मिलाप ब्यूरो) न्दी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग रा अतिथि व्याख्यान का आयोजन या गया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के नुसार, संस्कृत शोध संस्थान, हैदराबाद श्वविद्यालय में कार्यर डॉ. अनुपमा ने डिग्री द्वितीय वर्ष के नवीन पाठ्यक्रम पर प्रकाश डाला। अभिज्ञान शाकुंतल, कादम्बरी, केनोपनिषद् से संग्रहित पाठों पर विचार व्यक्त करते हुए सेमिस्टर परीक्षाओं में किस प्रकार प्रश्नों का उत्तर दिया जाए? उन्होंने इसकी भी जानकारी दी। साथ ही कवि कालीदास, बाणभट्ट के काव्यों पर समीक्षा प्रस्तुत की। अवसर पर प्राचार्य पी. गिरिधर ने कहा कि आज नासा में संस्कृत ग्रंथों पर विशेष रूप से शोध कार्य हो रहा है, जो गर्व का विषय है। उन्होंने मुख्य वक्ता का शॉल व श्रीफल द्वारा सम्मान किया। डिग्री प्रथम वर्ष की छात्रा ने अतिथि व्याख्याता का पुष्पमाला से स्वागत किया। डिग्री द्वितीय वर्ष के छात्र नितिश ने प्रशस्ति-पत्र भेंट किया। इससे पूर्व बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा नंदिनी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। संस्कृत विभाग की अध्यक्ष डॉ. मुक्तावाणी ने अतिथि डॉ. अनुपमा का परिचय दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।